भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
रक्षा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1151
13 फरवरी, 2022 को उत्तर के लिए

रक्षा व्यय में कमी

1151. श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या **रक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि वर्ष 2014 से सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में रक्षा व्यय में कमी आई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार ने सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में अपने रक्षा व्यय को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए हैं;

(घ) क्या सरकार बहु-वर्षीय पूंजी अधिग्रहण प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए एक अत्यपगत रक्षा पूंजी निधि खाता बनाने पर विचार कर रही है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजय भट्ट)

(क) से (ग): सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में रक्षा व्यय का वित्त वर्ष 2014-15 से 2023-24 तक का ब्यौरा निम्न तालिका में दर्शाया गया है:-

वर्ष	रक्षा व्यय (कुल)	सकल घरेलू उत्पाद	सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में रक्षा व्यय
2014-15	3,17,207	1,24,67,960	2.54
2015-16	3,27,096	1,37,71,874	2.38
2016-17	3,89,614	1,53,91,669	2.53
2017-18	4,17,242	1,70,90,042	2.44
2018-19	4,42,683	1,88,99,668 (तीसरा आरई)	2.34
2019-20	4,88,795	2,00,74,856 (दूसरा आरई)	2.43

2020-21	5,23,330	1,98,00,914 (पहला आरई)	2.64
2021-22	5,32,264	2,36,64,637 (पीई)	2.25
2022-23 (आरई)	6,15,582	2,73,07,751 (पहला एई)	2.25
2023-24 (बीई)	6,23,758	3,01,75,065	2.07

नोट:- (i) वित्त वर्ष 2014-15 से 2022-23 तक के सकल घरेलू उत्पाद आँकड़े आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 तालिका 1.6: प्रचलित मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद के घटक से लिए गए हैं।

(ii) वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सकल घरेलू उत्पाद संबंधी आँकड़े बजट 2023-24 के सार से लिए गए हैं।

बीई = बजट प्राक्कलन, आरई = संशोधित प्राक्कलन

पीई = अनंतिम प्राक्कलन, एई : अग्रिम प्राक्कलन

ऊपर उल्लिखित तारीख से यह विदित होता है कि जीडीपी के रूप में रक्षा व्यय जीडीपी में वृद्धि की प्रवृत्ति के कारण घटता हुआ प्रतीत होता है। तथापि, रक्षा व्यय वास्तविक अर्थों में बढ़ रहा है, जो उच्चतर व्यय दर्शाता है।

(घ) से (च): गैर-व्यपगत रक्षा आधुनिकीकरण निधि के सृजन का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय के विचाराधीन है। इस निधि के संचालन हेतु एक उचित प्रणाली की रूपरेखा वित्त मंत्रालय के परामर्श से तैयार की जा रही है।

******